संजय कुमार अग्रवाल
अध्यक्ष
Sanjay Kumar Agarwal
Chairman

आज़ादी का अमृत महोत्सव

सत्यमेव जयते

G20 भारत 2023 INDIA वसुधैव कुटुम्बकम् ONE EARTH · ONE FAMILY · ONE FUTURE

भारत सरकार
वित्त मंत्रालय
राजस्व विभाग
केन्द्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क
Government of India
Ministry of Finance
Department of Revenue
Central Board of Indirect Taxes & Customs

29th January, 2024

DO No. 05/News Letter/CH(IC)/2024

Dear Colleague,

As the contingents in the 75th Republic Day parade march down the Kartavya Path with precision and pride, I was reminded of the following lines from the revered poet, Dwarika Prasad Maheshwari:

"हाथ में ध्वजा रहे बाल दल सजा रहे
ध्वज कभी झुके नहीं दल कभी रुके नहीं
वीर तुम बढ़े चलो! धीर तुम बढ़े चलो!

सामने पहाड़ हो सिंह की दहाड़ हो
तुम निडर डरो नहीं तुम निडर डटो वहीं
वीर तुम बढ़े चलो! धीर तुम बढ़े चलो!"

During this annual spectacle, India showcased its rich cultural diversity and military prowess, commemorating the day when the Constitution of India came into effect in 1950. The parade was a vibrant display of India's unity in diversity, featuring colourful floats representing different States, each adorned with unique cultural symbols and traditional performances. The Republic Day parade is not just a ceremonial event but a symbol of India's democratic strength, resilience, and the collective spirit of its people. In a similar march towards *Viksit Bharat*, Indian Customs is committed to make Indian trade globally competitive. Also, I glanced through the Collage on social media showcasing the Republic Day 2024 celebrations by offices under CBIC. The enthusiasm was clearly visible in the pictures!

Last week, the Department also celebrated International Customs Day joyously across the various customs formations in the country, commemorating the inaugural session of the Customs Co-operation Council held on the 26th of January, 1953. The palpable enthusiasm the participating officers demonstrated was heartening, underscoring their commitment to the highest standards of professionalism. This year's theme – Customs Engaging Traditional and New Partners with Purpose – underscores the imperative for Customs Administrations

North Block, New Delhi-110 001 Tel. : +91-11-23092849, 23092890 E-mail : sanjayk.agarwal@gov.in

worldwide to strengthen existing partnerships and forge new alliances. The Secretary-General World Customs Organization (WCO), in his message, highlighted the unprecedented challenges before the Customs authorities which demands the global Customs community to take a forward-thinking approach to its work and seek solutions that are not just based on its own knowledge and resources but are supplemented by the support of stakeholders.

Amid the festivities, a moment of pride was reserved for recognizing the outstanding contributions of individuals and organizations in customs administration. My heartfelt congratulations to the officers who have been awarded the WCO Certificate of Merit, and special congratulations to the Food Safety and Standards Authority of India and the Central Drugs Standard Control Organization for their contributions as a partner agency in the smooth facilitation of Customs Clearances. Your dedication and outstanding achievements are a source of inspiration for the entire customs fraternity! On this occasion, CBIC released a book titled "*Indian Customs: Evolution of Multifaceted Partnerships*" which aims to showcase the historical journey of the Indian Customs, tracing its development from ancient times to the contemporary era. A Compendium on Ease of Doing Business was also released which focuses on the measures taken to improve Ease of Doing Business and enhance trade facilitation.

Continuing its fight against smuggling of gold into the country, the Directorate of Revenue Intelligence (DRI) officers developed an intelligence and intercepted seven consignments of "Electric Current/Potential Meters" declared as "Current Guiaor Machine", which had arrived from Hong Kong at the Foreign Post Office, New Delhi. Upon examination, the back covers of the said electric meters were found to be made of alloy containing 16.67 kg gold and 39.73 kg silver having approximate market value of Rs. 10.66 Crore. Each of the said cover weighed around 1Kg, much heavier than the usual weight. While the smugglers are innovating new ways to bring in the precious metals illegally, the Departmental officers are also upping their vigilante. Great work!

Another notable case in the drive against smuggled Gold which merits mention was booked by DRI Kolkata Zonal Unit. The officers mounted simultaneous search operations across West Bengal and seized 22.62 kg of smuggled gold valued at Rs. 14.24 Crore and arrested 12 persons. The officers displayed exceptional presence of mind and apprehended 3 motorcycles carrying 61 gold biscuits and bars weighing 7,199.970 grams coming towards Kolkata by keeping an eye on all possible entry points to the city of Kolkata.

Till next week!

Yours sincerely,

(Sanjay Kumar Agarwal)

All Officers and Staff of the Central Board of Indirect Taxes & Customs.

संजय कुमार अग्रवाल
अध्यक्ष
Sanjay Kumar Agarwal
Chairman

भारत सरकार
वित्त मंत्रालय
राजस्व विभाग
केन्द्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क
Government of India
Ministry of Finance
Department of Revenue
Central Board of Indirect Taxes & Customs

29th January, 2024

DO No. 05/News Letter/CH(IC)/2024

प्रिय सहकर्मी ,

जैसे ही 75वें गणतंत्र दिवस की परेड में सैन्यदलों ने सटीकता और गर्व के साथ कर्तव्य पथ पर मार्च किया, मुझे सुप्रसिद्ध कवि द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी की निम्नलिखित पंक्तियाँ याद आ गईं:

"हाथ में ध्वजा रहे बाल दल सजा रहे
ध्वज कभी झुके नहीं दल कभी रुके नहीं
वीर तुम बढ़े चलो! धीर तुम बढ़े चलो!

सामने पहाड़ हो सिंह की दहाड़ हो
तुम निडर डरो नहीं तुम निडर डटो वहीं
वीर तुम बढ़े चलो! धीर तुम बढ़े चलो!"

इस दिन 1950 में भारत का संविधान लागू होने के स्मरण में इस वार्षिक आयोजन के दौरान भारत ने अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विविधता और सैन्य शक्ति का प्रदर्शन किया । परेड भारत की विविधता में एकता का एक जीवंत प्रदर्शन था, जिसमें विभिन्न राज्यों का प्रतिनिधित्व करने वाली रंगीन झांकियां शामिल थीं, जहाँ प्रत्येक झांकी अद्वितीय सांस्कृतिक प्रतीकों और पारंपरिक प्रदर्शनों के साथ सजी हुई थी। गणतंत्र दिवस परेड केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं है बल्कि भारत की लोकतांत्रिक ताकत, दृढ़ता और लोगों की सामूहिक भावना का प्रतीक है। उसी प्रकार, विकसित भारत की दिशा में, भारतीय सीमा शुल्क भारतीय व्यापार को विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके अलावा, मैंने सोशल मीडिया पर सीबीआईसी के अंतर्गत कार्यालयों द्वारा गणतंत्र दिवस 2024 समारोह को प्रदर्शित करने वाले कोलाज पर नज़र डाली। तस्वीरों में उत्साह साफ़ दिख रहा था!

पिछले सप्ताह, विभाग ने 26 जनवरी, 1953 को आयोजित Customs Co-operation Council के उद्घाटन सत्र की स्मृति में, देश में विभिन्न संरचनाओं ने खुशी से अंतर्राष्ट्रीय सीमा शुल्क दिवस भी मनाया। भाग लेने वाले अधिकारियों ने जो उत्साह दिखाया, वह प्रशंसनीय था और व्यावसायिकता के उच्चतम मानकों के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। इस वर्ष की थीम - सीमा शुल्क उद्देश्य के साथ पारंपरिक और नए साझेदारों को शामिल करना - दुनिया भर के सीमा शुल्क प्रशासनों के लिए मौजूदा साझेदारियों को मजबूत करने और नए गठबंधन बनाने की अनिवार्यता को रेखांकित करता है। विश्व सीमा शुल्क संगठन (डब्ल्यूसीओ) के Secretary-

North Block, New Delhi-110 001 Tel. : +91-11-23092849, 23092890 E-mail : sanjayk.agarwal@gov.in

General ने अपने संदेश में सीमा शुल्क अधिकारियों के समक्ष अभूतपूर्व चुनौतियों पर प्रकाश डाला, जो वैश्विक सीमा शुल्क समुदाय से अपने काम के लिए दूरदर्शी दृष्टिकोण अपनाने और ऐसे समाधान तलाशने की मांग करती है जो केवल अपने ज्ञान और संसाधनों पर आधारित नहीं हैं बल्कि हितधारकों के समर्थन से पूरक हैं।

उत्सव के बीच, सीमा शुल्क प्रशासन में व्यक्तियों और संगठनों के उत्कृष्ट योगदान को मान्यता देने के लिए गर्व का एक क्षण आरक्षित रखा गया था। उन अधिकारियों को मेरी हार्दिक बधाई, जिन्हें डब्ल्यूसीओ सर्टिफिकेट ऑफ मेरिट से सम्मानित किया गया है, और सीमा शुल्क निकासी की सुचारू सुविधा में एक भागीदार एजेंसी के रूप में उनके योगदान के लिए भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण और केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन को विशेष बधाई। आपका समर्पण और उत्कृष्ट उपलब्धियाँ संपूर्ण सीमा शुल्क समुदाय के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं । इस अवसर पर, सीबीआईसी ने "Indian Customs: Evolution of Multifaceted Partnerships" नामक एक पुस्तक जारी की, जिसका उद्देश्य भारतीय सीमा शुल्क की ऐतिहासिक यात्रा को प्रदर्शित करना है, जो प्राचीन काल से लेकर समकालीन युग तक इसके विकास का पता लगाता है। व्यापार करने में आसानी पर एक सार-संग्रह भी जारी किया गया जो व्यापार करने में आसानी में सुधार और व्यापार सुविधा बढ़ाने के लिए उठाए गए उपायों पर केंद्रित है।

देश में सोने की तस्करी के खिलाफ अपनी लड़ाई जारी रखते हुए, राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) के अधिकारियों ने एक खुफिया जानकारी विकसित की और "Current Guiaor Machine" के रूप में घोषित " Electric Current/Potential Meters " की सात खेपों को रोका, जो हांगकांग से विदेश डाकघर, नई दिल्ली पर आई थीं। जांच करने पर, उक्त विद्युत मीटरों का पिछला कवर 16.67 किलोग्राम सोना और 39.73 किलोग्राम चांदी युक्त मिश्र धातु से बना पाया गया, जिसका अनुमानित बाजार मूल्य 10.66 करोड़ रुपये था । उक्त प्रत्येक कवर का वजन लगभग 1 किलोग्राम था, जो सामान्य वजन से बहुत अधिक भारी था। जहां तस्कर अवैध रूप से कीमती धातुओं को लाने के लिए नए तरीके ईजाद कर रहे हैं, वहीं विभागीय अधिकारी भी अपनी निगरानी बढ़ा रहे हैं। बहुत बढ़िया!

सोने की तस्करी के खिलाफ अभियान में एक और उल्लेखनीय मामला डीआरआई कोलकाता जोनल यूनिट द्वारा दर्ज किया गया था। अधिकारियों ने पूरे पश्चिम बंगाल में एक साथ तलाशी अभियान चलाया और 14.24 करोड़ रुपये मूल्य का 22.62 किलोग्राम तस्करी का सोना जब्त किया तथा 12 लोगों को गिरफ्तार किया गया। अधिकारियों ने असाधारण सूझबूझ का परिचय दिया और कोलकाता शहर के सभी संभावित प्रवेश बिंदुओं पर नज़र रखते हुए 7,199.970 ग्राम वजन के 61 सोने के बिस्कुट और बार लेकर कोलकाता की ओर आ रही तीन मोटरसाइकिलों को पकड़ लिया।

अगले सप्ताह तक ।

भवदीय,

संजय कुमार

(संजय कुमार अग्रवाल)

केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड के सभी अधिकारी और कर्मचारीगण।